एसआरयू वर्ल्ड

मासिक समाचार पत्रिका

वर्ष -2, अंक -18, माह - जुलाई 2024

" स्थापना दिवस "
05 जुलाई
संस्करण

एक हजार मील सफलता की यात्रा की शुरूआत भी एक कदम से ही होती है।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, रायपुर (छ.ग.)

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी रायपुर ने रचा इतिहास..
आई.आई.आर.एफ द्वारा एस.आर.यू को इमर्जिंग प्राइवेट यूनिवर्सिटी 2024 का गौरव प्रदान किया गया ..

विश्विद्यालय में विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रणाली तथा राष्ट्रीय शिक्षा निति को आधार मान कर दी जा रही है। 6000 से अधिक छात्र-छात्राओं को विश्विद्यालय के शिक्षाविद द्वारा नवाचार से शिक्षण दिया जा रहा है और विभिन्न विषयों पर अनुशंधान को बढ़ावा दिया जा रहा है जिससे राष्ट्रीय स्तर पर विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किये जायें। विश्विद्यालय में विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम पूर्ण होने के पश्चात् योग्यतानुसार रोजगार के अवसर भी प्रदान किये जा रहे हैं।यूनिवर्सिटी के 65 एकड़ कैंपस में विद्यार्थियों को शिक्षा के अतिरिक्त व्यक्तित्व विकाश का भी लक्ष्य रखा गया है एवं विश्विद्यालय का विभिन्न अंतराष्ट्रीय पटलों पर उल्लेख है, उपरोक्त तथ्यों का मूल्यांकन कर भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (आई.आई.आर.एफ) द्वारा श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी को यह गौरव प्रदान किया गया है । श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव प्रयोग एवं उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षण की विधियों में नवाचार करने के लिए दृढ संकल्पित रहा है। आई.आई.आर.एफ द्वारा देश के विभिन्न शासकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों की कार्य प्रणाली की 7 बिंदुओं- शिक्षा गुणवत्ता,अनुशंधान,प्लेसमेंट, भविष्य उन्मुखीकरण कार्यक्रम, अंतराष्ट्रीयकरण, बाह्य निरीक्षण मापदंडों पर विश्वविद्यालयों की समीक्षा कर राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर मूल्यांकन कर रैंकिंग की गई। उपरोक्त मापदंडों के आधार पर श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय स्तर पर चौथा एवं राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।एस.आर.यू यह गौरव प्राप्त करने वाला राज्य की एकमात्र संस्थान है जिसे बेस्ट इमर्जिंग प्राइवेट यूनिवर्सिटी 2024 का स्थान प्राप्त किया।उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य के उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत संस्थानों में श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी का यह स्थान प्राप्त करना अत्यंत गौरव की बात है।अनंतविभूषित श्री रविशंकर जी महाराज रावतपुरा सरकार ने इस गरिमामय उपलब्धि के लिए संपूर्ण विश्विद्यालय परिवार को शुभाशीष प्रदान किया।यूनिवर्सिटी के प्रतिकुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस. के सिंह एवं कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने इस उपलब्धि के लिए शैक्षणिक और गैरशैक्षणिक स्टाफ को उनकी संस्था के प्रति कठिन परिश्रम, प्रतिबद्धता और लगन की सराहना करते हुए सभी को बहुत-बहुत बधाई दी।

डॉ. सुरेन्द्र कुमार गौतम द्वारा टमाटर को प्रभावित करने वाले निमेटोड की पहचान और पृथक्करण पर पेटेंट प्रकाशित

डॉ. सुरेंद्र कुमार गौतम द्वारा टमाटर को प्रभावित करने वाले निमेटोड की पहचान और पृथक्करण पर पेटेंट प्रकाशित श्री रावतपुरा सरकार विश्विद्यालय के लाइफ साइंस विभाग के सह-प्राध्यापक डॉ. सुरेंद्र कुमार गौतम ने "टमाटर को प्रभावित करने वाले निमेटोड की पहचान और पृथक्करण" विषय पर एक नया पेटेंट ऑफिसियल जर्नल ऑफ द पेटेंट ऑफिस में दिनांक 03/05/2024 में प्रकाशित किया गया है, जो कृषि के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण नवाचार है।निमेटोड, जो सूक्ष्म कीड़े होते हैं, टमाटर की फसलों को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे उपज में भारी कमी होती है और गुणवत्ता प्रभावित होती है।डॉ. गौतम का यह शोध टमाटर के पौधों को प्रभावित करने वाले विशेष निमेटोड की पहचान और पृथक्करण पर केंद्रित है। इस अध्ययन से निमेटोड की जीवविज्ञान और वितरण के बारे में व्यापक जानकारी प्राप्त होती है, जिससे प्रभावी नियंत्रण उपायों का विकास किया जा सकता है। इस शोध के मुख्य उद्देश्य निमेटोड प्रजातियों की पहचान, उनकी जनसंख्या का मूल्यांकन और संक्रमण को कम करने के व्यावहारिक तरीकों का सुझाव देना है।यह पेटेंट जैविक नियंत्रण एजेंटों के उपयोग, फसल परिवर्तन प्रथाओं और निमेटोड-प्रतिरोधी टमाटर की किस्मों के विकास जैसे नवाचारी समाधान प्रस्तुत करता है। डॉ. गौतम का यह कार्य किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होगा, जिससे फसल की सेहत में सुधार, उपज में वृद्धि और आर्थिक लाभ सुनिश्चित होगा।टमाटर एक महत्वपूर्ण वैश्विक फसल है, और यह शोध निमेटोड के खतरे को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, विशेष रूप से वैश्विक खाद्य मांग और जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में। डॉ. गौतम का यह पेटेंट न केवल टमाटर की खेती के लिए तत्काल समाधान प्रदान करता है, बल्कि अन्य फसलों में निमेटोड संक्रमण के प्रबंधन के लिए भी मार्ग प्रशस्त करता है, जिससे विश्वव्यापी स्थायी कृषि प्रथाओं को बढ़ावा मिलेगा।विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस के सिंह और कुलसचिव डॉ. सौरभ शर्मा ने सह-प्राध्यापक डॉ. सुरेंद्र कुमार गौतम को शोध पत्र प्रकाशित होने पर बधाई दी और उनके उज्जल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय हुआ गौरवान्वित
एस.आर. यू के प्राध्यापक डॉ. सुरेंद्र कुमार गौतम को मिला "यंग प्लांट पैथोलॉजिस्ट अवार्ड"

श्री रावतपुरा सरकार विश्विद्यालय हुआ गौरवान्वित...एस.आर. यू के प्राध्यापक डॉ. सुरेंद्र कुमार गौतम को मिला "यंग प्लांट पैथोलॉजिस्ट अवार्ड" श्री रावतपुरा सरकार विश्विद्यालय के लाइफ साइंस विभाग के सह-प्राध्यापक डॉ. सुरेंद्र कुमार गौतम द्वारा पौधा रोग विज्ञानं के डाई गए महत्वपूर्ण कर टमाटर एवं करेले में लगने वाले शुक्ष्म विषाणु निमेरोड की पहचान कर उसे भारत सरकार वाणिज्य एवं उद्योग विभाग में पेटेंट कराया गया है।डॉ. गौतम के विशिष्ट शोध के लिए भारत की शीर्ष संस्था सोसाइटी फॉर एडवांस रिसर्च इन प्लांट साइंस (SARPS) 'ग्लोबल एकेडेमिक्स एक्सीलेंस अवाड्र्स 2024' द्वारा ₹यंग प्लांट पैथोलॉजिस्ट अवार्ड₹ से सम्मानित किया गया। डॉ. गौतम को यह अवार्ड दुबई, यूएई में प्रदान किया गया। डॉ. गौतम ने पौध रोग विज्ञान में महत्वपूर्ण शोध कार्य किए है, जिसमें करेला व टमाटर को प्रभावित करने वाले निमेटोड की पहचान और पृथक्करण पर विशेष रूप से उल्लेखनीय कार्य शामिल है। उनके अनुसंधान ने न केवल वैज्ञानिक समुदाय को लाभान्वित किया है बल्कि किसानों को भी उनकी फसल की उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार करने में मदद की है।शिक्षण के क्षेत्र में, डॉ. गौतम ने कई छात्रों को प्रशिक्षित किया है और उन्हें उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया है। उनकी शिक्षण शैली और शोध में उत्कृष्टता के कारण वे छात्रों और सहकर्मियों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं।इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर पुरस्कार प्राप्त करने पर डॉ. गौतम ने कहा, ₹यह पुरस्कार मेरे लिए अत्यंत गर्व की बात है। यह मेरे शिक्षण और शोध कार्य की मान्यता है, और मैं इसे अपने सभी सहयोगियों और छात्रों को समर्पित करता हूँ जिन्होंने मुझे इस यात्रा में समर्थन दिया है।₹उक्त उपलब्धि से विश्विद्यालय को अंतराष्ट्रीय स्तर में पहचान मिली है।यह पुरस्कार उनके जैसे युवा वैज्ञानिकों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा, जो प्लांट पैथोलॉजी के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने का प्रयास कर रहे हैं।युनिवेर्सिटी के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस के सिंह,कुलसचिव सौरभ शर्मा और डीन रिसर्च डॉ. आर. पी रजवाड़े ने सह-प्राध्यापक डॉ. सुरेंद्र कुमार गौतम को उनके क्षेत्र में उपलब्धि प्राप्त करने और विश्वपटल में युनिवेर्सिटी को गौरवान्वित करने की बधाई दी।

श्री सद्गुरू प्राकट्य महोत्सव एवं श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी स्थापना दिवस का आयोजन..
यूनिवर्सिटी के उत्कृष्ट कार्य हेतु शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ का प्रसशस्ति पत्र द्वारा माननीय उप-मुख्यमंत्री ने किया सम्मान..
श्री सद्गुरू प्राकट्य महोत्सव के शुभ अवसर पर रक्तदान सिविर एवं निशुल्क नेत्र परीक्षण शिवर का किया गया सफल आयोजन..
"एस.आर.यू द्वारा संस्कार के साथ-साथ रोजगार उन्मुखी शिक्षा प्रदान करना गर्व की बात".... अरुण साव जी

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी रायपुर में यूनिवर्सिटी के 7वे स्थापना दिवस के अवसर पर श्री सद्गुरू प्राकट्य महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ द्वीप प्रज्जवलन एवं महराज श्री को पुष्पार्पण कर किया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शाशन के माननीय उप-मुख्यमंत्री श्री अरुण साव उपस्थित रहे और कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रतिकुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने की।

मंचस्थ अतिथियों के पुष्पगुच्छ से स्वागत के उपरांत उद्बोधन के क्रम में प्रतिकुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने अपने स्वागत उद्बोधन में युनिवेर्सिटी के संस्थापक अनंतविभूषित श्री रवि शंकर जी महाराज के द्वारा स्वास्थ, सेवा और शिक्षा की राह में अथक प्रयाशों एवं उनके उद्देश का वर्णन करते हुए बताया की रायपुर में आई.टी.आई इंस्टिट्यूट से श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी तक का सफर निरन्तर अग्रसर है और आज यूनिवर्सिटी 8000 से अधिक स्वदेशी एवं विदेशी विद्यार्थियों के साथ सफलता के नित्य नए प्रतिमान स्थापित कर रही है।

तदुपरांत यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ.सौरभ कुमा शर्मा ने वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रश्तुत करते हुए विविध आयामों में यूनिवर्सिटी को उप्लब्धियुओं पर प्रकाश डालते हुए आई.आई.आर.एफ रैंकिंग में राष्ट्रीय स्तर पर चतुर्थ एवं राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त इमर्जिंग प्राइवेट यूनिवर्सिटी 2024 के गौरवपूर्ण उपलब्धि का उल्लेख किया। इसी क्रम में यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो.एस.के सिंह 7वे स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुणवत्ता रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करना परम पूज्य रावतपुरा सरकार महार जी का ध्येय रहा है जिसकी प्राप्ति हेतु विश्विद्यालय हमेशा क्रियाशील रहा है।

मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शाशन के माननीय उप-मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि, अपनी स्थापना के 7वे वर्ष में श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी ने 8000 से अधिक स्वदेशी एवं वेदेशी विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करके वैश्विक स्तर पर नित्य नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। परम पूज्य गुरुदेव श्री रावतपुरा सरकार महाराज की आध्यात्मिक दूर दृष्टि एवं प्रभावी मार्गदर्शन पर कार्य करते हुए इस यूनिवर्सिटी ने युवाओं को नई दिशा एवं नव उत्साह प्रदान किया है।

यूनिवर्सिटी के स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ को माननीय उप- मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी के द्वारा प्रसशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किय गया जिसमे श्री शुभम नामदेव (जनसंपर्क अधिकारी), सुश्री शिवांगी शुक्ल (एग्जीक्यूटिव एडमिशन), श्री प्रांतिक आचार्य (लेखा प्रबंधक), श्री महेंद्र कल्यारे (एच.आर.सहायक), श्री अमन सिंह गहरवार (स्टोर इन्चार्ग), डॉ. मिथिलेश सिंह (सह प्राध्यापक), डॉ. आशीष कुमार सरकार (सह प्राध्यापक),डॉ. वीणा देवी सिंह (सह प्राध्यापक),डॉ. कौशल कुमार (सहायक प्राध्यापक),डॉ. इश्वर प्रसाद यदु (सहायक प्राध्यापक),श्री अखंड प्रताप सिंह (सहायक प्राध्यापक),डॉ. सिंदुरा भार्गव (सहायक प्राध्यापक),श्री उत्तम वैष्णव (सहायक प्राध्यापक),श्री राहुल गुप्ता (सहायक प्राध्यापक) सम्मान प्रपात किया।

इसी क्रम में वि.वि में योग के क्षेत्र में इतिहास रचने वाले विद्यार्थियों को भी प्रसशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया जिसमे योग विभाग के छाया जैन , ज्योति दीपक, प्रीटी साहू और पुष्प साहू ने इंडो-नेपाल यूथ गेमस 2023 में स्वर्ण और रजत पदक जीत कर श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी को विश्वपटल में गौरवान्वित किया है।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के स्थापना दिवस में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमे यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने नृत्य के माध्यम से एवं शिक्षकों ने संगीत की माध्यम से कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. सागर साहू द्वारा किया गया और यूनिवर्सिटी के उपकुलसचिव डॉ. कमल कुमार प्रधान ने धन्यवाद ज्ञापन दिया, अंत में डीन एकेडेमिक डॉ.आर.आर.बिराली ने सभी को यूनिवर्सिटी के 7 वे स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन...
वि.वि के विभिन्न संकायों से 50 से अधिक विद्यार्थियों ने निबंध के माध्यम से व्यक्त किये विचार...

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी रायपुर में विषय "विकसित छत्तीसगढ़: मेरे सपनों का खुशहाल छत्तीसगढ़" पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे यूनिवर्सिटी के विभिन्न संकायों से 50 से अधिक विद्यार्थियों ने निबंध प्रतियोगिता में भाग लिया।

यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों द्वारा लिखित निबंधों में से सर्वश्रेष्ठ 03 निबंध का चयन कर उच्च शिक्षा संचालनालय नवा रायपुर भेजा जायेगा जिसमे से राज्य के विभिन्न महाविद्यालय और विश्वविद्यालय से आए निबंधों में से सर्वश्रेष्ट निबंध लेखक विद्यार्थियों को सम्मानित किया जायेगा।

निबंध आयोजन का संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. सत्यज तिवारी द्वारा किया गया। युनिवेर्सिटी के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस के सिंह, कुलसचिव सौरभ शर्मा ने सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया और छात्रों को अग्रिम समय में और भी प्रतियोगिताओं का आयोजन कर सम्मलित होने को कहा।

एसआरयू और मिटकॉन कंसल्टेंसी इंजीनियरिंग सर्विस लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय ने छात्रों को क्लिनिकल रिसर्च के क्षेत्र में इंटर्नशिप और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए मिटकॉन कंसल्टेंसी इंजीनियरिंग सर्विस लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस एमओयू का उद्देश्य छात्रों में क्लिनिकल रिसर्च और इसकी भविष्य की संभावनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

इस साझेदारी और इसकी गतिविधियों का उद्देश्य छात्रों को प्रेरित करना और उन्हें क्लिनिकल रिसर्च में करियर के लिए तैयार करना है। एमओयू में छात्रों के पारस्परिक कौशल को विकसित करने के लिए विशेषज्ञ वार्ता और सेमिनार की योजनाएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, छात्रों को एप्टीट्यूड टेस्ट की तैयारी, साक्षात्कार कोचिंग और क्लिनिकल रिसर्च के क्षेत्र में प्लेसमेंट के अवसरों से लाभ होगा।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ सौरभ के शर्मा और मिटकॉन के बिजनेस डेवलपमेंट एक्जीक्यूटिव श्री पंकज पैकरा ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एस के सिंह की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए उम्मीद है कि यह समझौता ज्ञापन छात्रों की रोजगार क्षमता को बढ़ाने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। विश्वविद्यालय के प्रो चांसलर श्री हर्ष गौतम ने इस तरह के शैक्षणिक सहयोग के लिए फार्मेसी विभाग के प्रयासों की सराहना की और बधाई दी और उम्मीद है कि भविष्य में विभाग इस तरह की और पहल करेगा।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के क्षेत्र में अनुकरणीय पहल...

एस.आर.यू द्वारा विभिन्न ज्वलंत विषयों पर प्रारंभिक अध्ययन कर शोध किये जा रहे हैं। इसी श्रंखला में भौतिक शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ऋषि जायसवाल के मार्गदर्शन में उनके शोधार्थी प्रिंस जैन द्वारा "एस्टीमेशन ऑफ़ काइनेटिक पैरामीटर्स एंड स्पेक्ट्रोस्कोपिक एनालिसिस ऑफ़ डिस्प्रोसियम एक्टिवेटिड कैल्शियम सिलिकेट फॉस्फर" का शोध किया गया। इस शोध का प्रकाशन अंतराष्ट्रीय स्तर के जर्नल " जर्नल ऑफ़ एप्लाइड स्पेक्ट्रोस्कोपी" में हुआ। यह जर्नल एस.सी.आई लिस्टड है । इस शोध में देश के विभिन्न शैक्षिणिक संस्था के डॉ. विकास दुबे, कंचन तिवारी, एम तनुज कुमार एवं डॉ.एमसी राव का भी सहयोग रहा है।

इस शोध में "डिस्प्रोसियम एक्टिवेटिड कैल्शियम सिलिकेट फॉस्फर "विकसित किया गया जिसके उपयोग से एल.ई.डी बल्ब की प्रकाशन क्षमता में वृद्धि होगी तथा कम वोल्टेज वाले एल.ई.डी बल्ब से अधिक प्रकाश प्राप्त होगा। यूनिवर्सिटी द्वारा इस शोध से आम व्यक्ति को लाभ मिल सकता है एवं एल.ई.डी बल्ब का उपयोग कम खर्च में कर सकते है।

यूनिवर्सिटी के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस. के सिंह, कुलसचिव डॉ.सौरभ शर्मा ने सह-प्राध्यापक डॉ. ऋषि जायसवाल के मार्गदर्शन में शोधार्थी प्रिंस जैन द्वारा किये गए शोध से यूनिवर्सिटी को गौरवान्वित करने की बधाई दी।

एस.आर.यू के हिंदी विभाग द्वारा प्रेमचंद जयंती का आयोजन...

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के हिंदी विभाग में प्रेमचंद की 144 वीं जन्मतिथि के अवसर पर प्रेमचंद जयंती का आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में कला संकाय के विद्यार्थी, शिक्षकों सहित कला संकाय के डीन डॉ. मनीष पांडे जी तथा एकेडमिक डायरेक्टर मनोज खरे जी की उपस्थिति रही|

कार्यक्रम के दौरान हिंदी के कालजयी लेखक प्रेमचंद को याद किया गया | कार्यक्रम को संचालित कर रहीं हिंदी विभाग की सह-प्राध्यापक डॉ. पायल ने प्रेमचंद का परिचय देते हुए आज के दिन का महत्त्व बताया | साथ ही उन्होंने कहा कि प्रेमचंद भारतीय समाज में प्रवेश करने की खिड़की हैं जिनके माध्यम से भारतीय समाज एवं उसकी समस्याओं की गहरे रूप में पड़ताल हो सकती है | तत्पश्चात हिंदी विभाग की अध्यक्ष डॉ. सविता वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय किसानों की समस्याओं को प्रेमचंद साहित्य से गुजरते हुए सहज ही जाना जा सकता है | कला संकाय के डीन डॉ. मनीष पांडे ने बताया कि प्रेमचंद की रचनाओं को उन्होंने कैसे और किस रूप में जीया है |

अंत में अकादमिक डायरेक्टर मनोज खरे जी ने प्रेमचंद और बनारस से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें साझा करते हुए कहा कि हामिद का चिमटा कभी न भुलाए जाने वाला सन्दर्भ है |बी.ए.एल.एल.बी की छात्रा रिद्धिमा वर्मा ने प्रेमचंद का संक्षिप्त जीवन वृत्त सुनाया तथा बी.ए.एल.एल.बी की ही अन्य दो छात्रा श्रेया सिंह और प्रीती कँवर ने प्रेमचंद की दो कहानियों पूस की रात और ईदगाह पर क्रमशः अपने विचार प्रकट किए | इस अवसर पर विद्यार्थियों को प्रेमचंद की कहानी 'कफ़न' पर आधारित लघु फिल्म दिखाई गई | अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संतोष कुमार (जर्नलिज़्म एंड मास कम्युनिकेशन) द्वारा दिया गया|

यूनिवर्सिटी के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस. के. सिंह तथा कुलसचिव डॉ. सौरभ शर्मा ने कार्यक्रम की सफलता हेतु हिंदी विभाग व कला संकाय को बधाई व शुभकामनाएँ दीं |

एसआरयू के पोषण एवं आहार विज्ञान के छात्रों ने चिकित्सीय आहार बनाया...

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के पोषण एवं आहार विज्ञान विभाग के छात्रों ने हाल ही में अपने व्यावहारिक प्रशिक्षण के भाग के रूप में चिकित्सीय आहार योजनाएँ तैयार करके अपनी शैक्षणिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को विभिन्न स्वास्थ्य स्थितियों वाले व्यक्तियों के लिए विशेष आहार विकसित करने में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है।

विशेषज्ञ संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में, छात्रों ने मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और जठरांत्र संबंधी विकारों जैसी स्थितियों से पीड़ित रोगियों की जरूरतों को पुरा करने के लिए आहार योजनाएँ तैयार कीं। इस अभ्यास ने न केवल उनके सैद्धांतिक ज्ञान को पुष्ट किया, बल्कि उन्हें वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में साक्ष्य- आधारित पोषण सिद्धांतों को लागू करने की भी अनुमति दी। कार्यक्रम के प्रमुख घटकों में से एक कार्यशाला थी जहाँ छात्रों ने चिकित्सीय पोषण में नवीनतम रुझानों और शोध पर चर्चा करने के लिए स्वास्थ्य पेशेवरों के साथ सहयोग किया। उन्हें ऐसी आहार योजनाएँ बनाने का काम सौंपा गया था जो न केवल रोगियों की चिकित्सा आवश्यकताओं बल्कि उनकी सांस्कृतिक प्राथमिकताओं, जीवनशैली और भोजन की उपलब्धता को भी ध्यान में रखती हों। एम.एस.सी. और बी.एस.सी. के छात्रों ने कहा, "इन चिकित्सीय आहारों को तैयार करना एक आंख खोलने वाला अनुभव था।" "इसने हमें पुरानी बीमारियों के प्रबंधन में पोषण की भूमिका के बारे में गंभीरता से सोचने और ऐसे व्यावहारिक समाधान निकालने की चुनौती दी, जिनका मरीज आसानी से पालन कर सकें।"

यह परियोजना विश्वविद्यालय की उस प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जिसके तहत वह छात्रों को एक व्यापक शिक्षा प्रदान करता है, जो उन्हें उनके पेशेवर करियर में आने वाली विविध चुनौतियों के लिए तैयार करती है। ऐसी व्यावहारिक गतिविधियों में शामिल होने से छात्रों को आत्मविश्वास मिलता है और वे स्नातक होने पर स्वास्थ्य सेवा उद्योग में योगदान देने के लिए बेहतर तरीके से तैयार होते हैं। कार्यक्रम की देखरेख करने वाली डॉ. अनुभूति कोशले ने सीखने के लिए इस व्यावहारिक दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया।

"आज के स्वास्थ्य सेवा परिवेश में, व्यक्तिगत आहार योजनाएँ बनाने की क्षमता महत्वपूर्ण है। हमारे छात्र विज्ञान को सहानुभूति के साथ एकीकृत करना सीख रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनके भावी रोगियों को सर्वोत्तम संभव देखभाल मिले।"

इस पहल को छात्रों और शिक्षकों दोनों ने अच्छी तरह से स्वीकार किया है, और आने वाले सेमेस्टर में अधिक उन्नत आहार विज्ञान प्रथाओं को शामिल करने के लिए कार्यक्रम का विस्तार करने की योजना बनाई गई है।

Companies Shared for Placement

SHRI RAWATPURA SARKAR UNIVERSITY
RAIPUR (C.G.)

एक कोर्स के साथ साथ दूसरी डिग्री लेना भी अब संभव

We are offering

DUAL DEGREE

- B.Com. + B.B.A.
- M.Com. + M.B.A.
- B.A. + B.B.A.
- M.A. + M.B.A.
- M.Tech. + M.B.A.
- M.Sc. + M.B.A.
- M.Sc. + M.C.A.
- M.A. + L.L.B.
- M.Sc. + L.L.B.
- M.B.A. + L.L.B.
- B.A. / B.Sc. + B.A. / B.Sc.
  (Fashion Design / Interior Design)

इनके अतिरिक्त अन्य विकल्प भी उपलब्ध है

** Subjected to fulfillment of eligibility criteria

AFFORDABLE FEES

AVAIL UPTO 100% SCHOLARSHIP

सम्पादकीय समिति

प्रेरणाश्रोत : परम पूज्य श्री रविशंकर जी महाराज

श्री हर्ष गौतम
प्रति - कुलाधिपति

प्रो. एस. के. सिंह
कुलपति

डॉ. सौरभ कुमार शर्मा
कुलसचिव

प्रधान संपादक
राजेश तिवारी

संपादक
शुभम नामदेव

ग्राफिक्स डिज़ाइन
विवेक विश्वकर्मा